आइमा राष्ट्रीय क्विज में बीएसएल को तृतीय पुरस्कार

बोकारो : दिल्ली के ली मैरेडियन होटल में महिला प्रतिभागियों के

प्रतियोगिता में चालीस टीमों ने लिया था भाग

लिए आयेजित आइमा राष्ट्रीय क्विज प्रतियोगिता प्रगति में बीएसएल की कनीय प्रबंधक(मानव संसाधन विकास) स्मृति थपलियाल और प्रबंध प्रशिक्षु(प्रशासन) सुश्री तनु प्रिया की टीम ने क्षेत्रीय दौर में द्वितीय और फाइनल में तृतीय स्थान प्राप्त किया. बीएसएल की विजेता टीम को आयोजकों द्वारा ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. विजेता टीम ने बीएसएल के सीईओ अनुतोष मैत्रा से मुलाकात कर अपने अनुभव बांटे. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) शीतांशु प्रसाद, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास एवं शिक्षा) बी मुखोपाध्याय, महाप्रबंधक (कार्मिक) बीके ठाकुर एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे. श्री मैत्रा ने विजेता टीम को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी. इस प्रतियोगिता के क्षेत्रीय दौर में कुल 40 टीमों ने भाग लिया. लिखित दौर के बाद मात्र 6 टीमें फाइनल दौर में प्रवेश कर सकी. आइमा के राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त कर बीएसएल के महिला अधिकारियों की इस टीम ने समस्त बोकारो इस्पात परिवार को गौरवान्वित किया है.

भगवान महावीर की जयंती मनी

बोकारो : यहां के सेक्टर 2/सी स्थित जैन मिलन केंद्र के सभागार में भगवान महावीर की जयंती मनायी गयी. अध्यक्ष डॉ महेंद्र जैन व मंत्री राजेश कोठारी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. डॉ महेंद्र जैन ने कहा कि भगवान महावीर ने लोगों को ओहसा व प्रेम का संदेश दिया. आज उनके आदर्श की प्रासंगिकता बढ़ गयी है. ओहसा के रास्ते पर चल कर ही विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है. भगवान महावीर ने जीओ और जीने दो का संदेश दिया. पूज्य तपस्वी श्री जगजीवनजी महाराज चक्षु चिकित्सालय के प्रागण में भगवान महावीर की जयंती मनायी गयी. शोभायात्रा भी निकाली गयी. यहां

पूज्य श्रीजयंत मुनिजी महाराज व पूज्य श्रीअरुण मुनिजी महाराज के सानिध्य में अहिंसा संघ का सम्मेलन हुआ. नरेश मुनि जी महाराज, ओजस मुनिजी महाराज, अरविंद मुनिजी महाराज एवं डॉ जशुबाई महासती जी मौजूद थे. संचालन राजेन्द्र प्रसाद ने किया. नरेश मुनिजी ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश अहिंसा परमोधर्म को अपने जीवन में उतारें. मास–मदिरा का त्याग कर जीवन को पवित्र बनायें.

निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का आह्वान

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा

बीएसएल में राजभाषा निरीक्षण कार्य संपन्न

कार्यान्वयन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण,सेल निगमित कार्यालय, दिल्ली (राजभाषा विभाग) के वरीय प्रबंधक हीरा वल्लभ शर्मा द्वारा किया गया. निरीक्षण के पश्चात् प्रशासनिक भवन के सम्मेलन कक्ष में महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संयंत्र के विभागीय हिंदी अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा संयंत्र हिंदी भाषी क्षेत्र में अवस्थित है और यहां सभी कर्मचारी अपने कार्यालयान कार्य हिंदी में संपन्न कर सकते हैं. श्री शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा का प्रयोग करना हमारा संवैधानिक एवं नैतिक दायित्व है. उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का आहवान् किया. उन्होंने प्रतिभागियों को संकोच त्याग कर बोलचाल की सरल हिंदी भाषा में टिप्पणी करने का एवं अंग्रेजी शब्दों को भी देवनागरी लिपी में लिखने का संदेश दिया ताकि भारत सरकार के निर्देशानुसार वार्षिक लक्ष्य को पूरा किया जा सके. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक(कार्मिक एवं प्रशासन) शांता सिन्हा ने भी प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने वर बल दिया.

अस्पताल का उद्घाटन

बोकारो : बोकारो के विधायक विरंची नारायण ने कहा कि बेहतर चिकित्सा से ही मरीजों का विश्वास जीतें. उन्होंने कहा कि अस्पताल का काम सिर्फ पैसा कमाना ही नहीं बल्कि बेहतर चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध कराना है. इस अस्पताल के खुलने से निश्चित रूप से आस पास के हजारों लोगों को सस्ते दर पर उचित चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो सकेगी. वे यहां के चीरा चास में नवनिर्मित स्टार अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर संबोधित करते हुए कही. इससे पूर्व अस्पताल का उद्घाटन का फीता काटकर किया. विधायक ने कहा कि चिकित्सक कम खर्च में उचित इलाज कर मरीजों का विश्वास पात्र बनते हैं और इसी विश्वास के कारण वह मरीजों के बीच ईश्वर के दूसरे रूप में अपनी पहचान बनाते हैं. उपरोक्त मौके पर आईएमए के अध्यक्ष डा बीके पंकज, डा संगीत कुमार, डा परमजीत आदि उपस्थित थे.

मुख्य सचिव ने उपायुक्त से कहा

दस दिनों के अंदर जमीन हस्तांतरित करें

बोकारो : सूबे के मुख्य सचिव राजीव गौवा ने एनएचआई को जमीन हस्तांतरित करने में हो रहे लेट–लतीफी के मामले में असंतोष प्रकट किया है. वीडियो कांफ्रेंसिंग से मुख्य सचिव ने बोकारो के उपायुक्त उमाशंकर सिंह से कहा कि बोकारो इस मामले में काफी पीछे है, जिले का कार्य धीमा चल रहा है. जमीन क्लियर कर एनएचआई को हस्तांतरित करने के मामले में अभी तक अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है. उन्होंने कहा कि दस दिनों के अंदर कागजी प्रक्रिया पूरी करें और एनएच चौड़ीकरण के लिए जमीन हस्तांतरित करें. वहीं उन्होंने सीसीएल प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की और दो महीने के अंदर जंगल झाड़, गैर मजरुआ आदि जमीन का सत्यापन कर सौंपने को कहा, ताकि सही विस्थापितों की पहचान

हो सके और उन्हें मुआवजा नियोजन दिया जा सके. इस दौरान उपायुक्त के अलावा डीएफओ कुमार मनीष अरविंद, अपर समाहर्ता जुगनू, डीसीएलआर पवन आदि भी उपस्थित थे. इससे पूर्व उपायुक्त उमाशंकर सिंह ने झूमरा एक्शन प्लान से संबंधित बैठक में सभी विभाग के कार्यपालक अभियंताओं से विकास योजनाओं की खाका के संदर्भ में जानकारी ली. उन्होंने कार्यपालक अभियंताओं से संबंधित एक्शन प्लान की जानकारी अलग–अलग ली. उन्होंने कहा कि उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में किस तरह की योजनाएं चलायी जायेगी. इसमें सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर तमाम सुविधाओं को शामिल करना है, उपायुक्त ने और सुझाव मांगे. बैठक में जिला योजना पदाधिकारी पीबीएन सिंह आदि उपस्थित थे. एनएच32 की चौड़ीकरण में कई रैयतों की जमीन जायेगी. फोरलेन बनने पर इनकी जमीन पर बने मकान अथवा दुकान भी ध्वस्त होंगे. ऐसे सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार इस वर्ष तक जमीन का अधिग्रहण कर सड़क निर्माण शुरू करना है, जबकि दिसंबर 2017 में सड़क को जनहित में चालू कर करने का प्लान है, इसकी अधिसूचना 22 मार्च 2012 को जारी की गयी थी. विभाग को जमीन का नक्शा उपलब्ध करा दिया गया है. यह सड़क एनएच के किलोमीटर 24.500 से 56.889 किलोमीटर तक बननी है. अधिकारियों की सुस्ती और सरकार की ओर से कोई दिलचस्पी नहीं लेने के कारण अभी तक इसका कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है.

नेशनल साइबर ओलंपियाड में

दिल्ली पब्लिक स्कूल के ऋषि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान

बोकारो : साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष फरवरी में आयोजित 14वें नेशनल साइबर ओलंपियाड के फाइनल राउंड में दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो के कक्षा छह के विद्यार्थी ऋषि दिव्य कीर्ति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दूसरा एवं राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है. वर्ष 2014–15 के लिए आयोजित नेशनल साइबर ओलंपियाड में इंटरनेशनल रैंक दो प्राप्त करनेवाले डीपीएस बोकारो के छात्र ऋषि दिव्य कीर्ति को जून

2015 में आयोजित होनेवाले पुरस्कार वितरण समारोह में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन की ओर से पुरस्कार के रुप में 25 हजार रुपये एवं रजत पदक प्रदान किया जायेगा. डीपीएस, बोकारो की निदेशक व प्राचार्या डा हेमलता एस मोहन ने ऋषि की उल्लेखनीय सफलता पर बधाई दी है और उसके उज्वल भविष्य की कामना की है.

आवास से गहनों की चोरी

बोकारो : यहां के सेक्टर वन/बी में जिला कल्याण पदाधिकारी के चालक मुन्ना सिंह व रेलकर्मी राजेश महतो के आवास का ताला तोड़ चोरों ने लाखों के गहने चुरा लिये. सूचना मिलने पर सिटी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया. घटना को अंजाम देते समय बदमाशों ने आसपड़ोस के घरों का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था. चालक मुन्ना गांव गया था और रेलकर्मी राजेश अपनी पत्नी की देखभाल के लिए अस्पताल में थे. प्राप्त जानकारी के अनुसार सेक्टर वन/बी के आवास संख्या 1476 निवासी चालक मुन्ना सिंह गांव गये हुए थे. पड़ोस में रहन वाले आजसू नेता विश्वनाथ महतो को अपने आवास की चाबी देकर रात में सोने का उन्होंने अनुरोध किया था. आजसू नेता रात देर से आवास में पहुंचे और खाना खाकर अपने ही घर में सो गये थे. सुबह जब उनलोगों की नींद खुली तो बाहर से दरवाजा बंद मिला. दूसरों की मदद से जब उन्होंने दरवाजा खुलवाकर बाहर निकले तो देखा कि चालक के घर चोरी हो गयी है. घर के अंदर सभी सामान अस्त–व्यस्त थे और गहने गायब थे.

चेन छिनतई का आरोपी गिरफ्तार

बोकारो : बोकारो व चंद्रपुरा में आये दिन महिलाओं से चेन झपटनेवाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बोकारो की पुलिस कप्तान अन्नेपु विजयलक्ष्मी द्वारा गठित इस टीम में नगर डीएसपी सहदेव साव, सिटी थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह व सेक्टर चार थाना इंचार्ज योगेंद्र सिंह शामिल थे. पुलिस के हत्थे चढ़ा मकसूद अंसारी उर्फ मिथुन अंसारी आमटोला तारानारी चंद्रपुरा और फारुख अंसारी उर्फ पेरला पिंड्राजोरा थाना इलाके के मोहनडीह का रहनेवाला बताया गया. मिथुन ने अपने गांव के ही ग्यासुद्दीन अंसारी व उनकी पत्नी पर जानलेवा हमला किया था. इस दंपती पर मिथुन ने दो फायर भी की थी. पुलिस ने इसकी बाइक को भी बरामद कर लिया है. बीते माह की नौ तारीख को मिथुन चंद्रपुरा आदिपल्ली पूजा पंडाल के पास एक महिला की बाली झपटकर भाग निकला. कुछ दूर जाने के बाद मिथुन ने दूसरी महिला के गले से चेन झपटी. इस महिला ने मिथुन को पकड़ लिया. किसी तरह वह अपनी बाइक छोड़कर मौके से भागा. लोगों ने इस आरोपी को खदेड़ा तो उसने रास्ते से जा रहे दो युवकों से बाइक छीना और भाग निकला. जंगल में जाकर उसने छीनी गयी बाइक फेंक दी. पुलिस मिथुन की बाइक के अलावा उस बाइक को भी बरामद कर लिया,

जिसको वह छीनकर भागा था. बाइक से ही उसकी पहचान हुई. इसके पहले उसने पश्चिम पल्ली चंद्रपुरा वेलफेयर सेंटर के पास एक महिला से 27 फरवरी को चेन छीना था. चार दिन पहले सिटी थाना इलाके में मिथुन ने अपने सहयोगी फारुख के साथ मिलकर सेक्टर बारह निवासी सुनील सिंह की पत्नी के गले से चेन छीना था. इस गिरोह के अन्य सदस्य पिण्ड्राजोरा थाना इलाके के मोहनडीह के रहनेवाले बताये गये. एक सर्राफा व्यवसायी को भी पुलिस ने चिह्नित किया है जो इस गिरोह से चेन खरीदता था.

माहवारी स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक नहीं कर पायी है सहिया

सहिया उसी को बनाया जाये, जो स्वास्थ्य संबंधित जानकारियों को समझे और सही तरीके से लोगों को समझा सके

सहिया को मानदेय का भुगतान समय पर किया जाये

सेनेटरी नैपकिन बेचने के एवज में सहिया को कम से कम दो से तीन रुपया उपलब्ध कराया जाये, ताकि वह अधिक दिलचस्पी लेकर सेनेटरी नैपकिन का वितरण करे

रजनीश आनंद

स्वास्थ्य सहिया या आशा ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध कराने में कड़ी का काम करती है. वह एएनएम और गांव के बीच संपर्क सूत्र है जो पंचायत के प्रति जिम्मेदार होती है. एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए वह लोगों को जागरूक करने का काम करती है और उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करती है. कहने का आशय यह है कि अगर सहिया अपने कार्यों को सुचारू रूप से करे, तो ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा आसानी से उपलब्ध होंगी और ग्रामीण इलाकों में बीमारियां भी कम फैलेंगी. लेकिन झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के बंदगांव, मझिगांव और टोंटो प्रखंड के कई पंचायतों के गांवों में सहिया अपने दायित्वों का निर्वहन उस तरह से नहीं कर रही है, जैसे की उससे उम्मीद की जाती है. परिणाम यह है कि आम ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं से महरूम है.हां सहिया का एक काम ग्रामीण इलाकों में प्रशंसनीय है, वह है गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण. इस कार्य में सहिया काफी तत्पर है. लेकिन जहां तक बात साफ–सफाई और माहवारी स्वच्छता की है, तो उसका अभाव हर जगह दिखता है.

ग्रामीण महिलाओं को आज भी सहिया माहवारी के दौरान सेनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल के लिए तैयार नहीं कर पायी हैं. यहां तक कि किशोरियां भी सहिया से प्रभावित नहीं हैं. बंदगांव प्रखंड के डोम्बारी गांव, टेंबो पंचायत की रावल पूर्ति एक ऐसी महिला है, जिसे सेनेटरी नैपकिन के बारे में कोई जानकारी नहीं है. वह यह भी बताना नहीं चाहती है कि माहवारी के दौरान वह कपड़ा इस्तेमाल करती है या नहीं. इस गांव की सहिया बुधन पूर्ति ने बताया कि राबल पूर्ति फिलहाल गर्भवती है. उसका पंजीकरण किया जा चुका है. बुधन ने बताया कि गांव के लोग सेनेटरी नैपकिन खरीदने में रूचि नहीं दिखाते हैं, क्योंकि उसके एवज में पैसे देने पड़ते हैं, अगर वह मुफ्त लोगों को उपलब्ध कराया जाये, तो संभवत: लोग सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल करें.

बंदगांव प्रखंड, मेरोमगुटू पंचायत की सहिया उर्सुलिना बोदरा स्वास्थ्य सहिया तो है,लेकिन उसे इस बात की जानकारी ही नहीं है कि आखिर माहवारी क्या है और यह प्रति माह क्यों होती है. यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि सहियाओं के चयन में सावधानी नहीं बरती गयी है. सहिया को स्वास्थ्य कार्यकर्ता माना जाता है, तो उससे यह अपेक्षा तो रखी ही जानी चाहिए कि वह स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों की जानकारी रखेगी, क्योंकि उसका कार्य जनजागरूकता है. अगर वह खुद अनजान रहेगी, तो लोगों को जागरूक कैसे करेगी.

चंपावा पंचायत, गांव हेसाडीह, प्रखंड बंदगाव की किशोरी सुशीला का कहना है कि सहिया के पास सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध ही नहीं रहता है. एक बार उसे सहिया ने दिया था, लेकिन फिर दुबारा नहीं मिला, इसलिए वे कपड़ा ही इस्तेमाल करती हैं. आंगनबाड़ी केंद्रों में हर सप्ताह जब एएनएम आती है, तो वह सहिया को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देती है और सहिया से यह उम्मीद की जाती है कि वह ग्रामीणों तक उन जानकारियों को पहुंचा देगी. एएनएम ही सहिया को सेनेटरी नैपकिन का पैकेट उपलब्ध कराती है. जिसे सहिया किशोरियों और महिलाओं को छह रुपये में बेचती है. एक पैकेट पर सहिया को एक रुपये प्राप्त होते हैं.

सहिया ग्रामीणों में से ही एक होती है. इसलिए अगर वह माहवारी स्वच्छता के बारे में लोगों को जागरूक करेगी, तो नि: संदेह लोगों पर उसका प्रभाव पड़ेगा. सहिया के जरिये माहवारी से जुड़े अंधविश्वासों को भी मिटाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ कार्य अनिवार्य हैं:–

(यह आलेख आईएम4चेंज, इंक्लूसिव मीडिया यूएनडीपी फेलोशिप के तहत प्रकाशित है)

मुख्यमंत्री का पुतला दहन

बोकारो : समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में रितुडीह कार्यालय के समक्ष राज्य सरकार की ओर से तृतीय और चतुर्थ ग्रेड की नौकरियों में बाहरी की बजाय स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने के विरोध में मुख्यमंत्री रघुवर दास का पुतला फूंका गया. इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की. जिला महासचिव अशोक कुमार चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान पूरी तरह से असंवैधानिक है, इससे राज्य का विकास नहीं बल्कि विनाश होगा. उन्होंने मुख्यमंत्री से इस निर्णय को वापस लेते हुए स्थानीय नीति के तहत रोजगार देने की मांग की. उन्होंने कहा कि अगर इसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से नहीं लिया तो पार्टी की ओर से उग्र आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जायेगा. विरोध करने वालों में अभय सिंह, श्याम वर्मा, दुर्गा रजवार, बाल्मीकि दुबे, प्रमोद राम, लालमुनी देवी, गायत्री देवी, सावित्री देवी, दुर्गा देवी, बेरोजगार युवा संघ के अमरजीत प्रसाद, दीपक प्रसाद सहित अन्य शामिल हैं.

रिहैब सेंटर की पहली वर्षगांठ मनी

बेरमो(बोकारो) : सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र की ओर से नि:शक्त बच्चों के उपचार के लिए संचालित रिहैब सेंटर की प्रथम वर्षगांठ मनायी गयी. इस उपलक्ष्य में सेंटर में आयोजित समारोह में अतिथियों ने केक काटकर बच्चों के बीच केक व मिठाई वितरण किया. समाजसेवी प्रमोद प्रसाद सिंह और बीएमएस नेता रवींद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि यह रिहैब सेंटर नि:शक्त बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है. इसमें नि:शक्त बच्चों को सबलता का उपहार दिया जा रहा है. इस सेंटर में उपचार कर कई नि:शक्त बच्चों को चलने व बोलने के लायक बनाया जा चुका है. सेंटर के डॉ. शशिकांत सिंह ने कहा कि नि:शक्तता कोई अभिशाप नहीं है. सही समय पर यदि समुचित उपचार किया जाये तो अपंग को सबल बनाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि हर संपन्न लोगों को चाहिए कि नि:शक्तों को उपकरण देकर उनके जीवन को सरल बनायें, उन्हें सहायता देने के लिए हर व्यक्ति को तत्पर रहना चाहिए. आस्था पुनर्वास केंद्र की अध्यक्ष अंजली सिंह ने कहा कि सीसीएल ने यहां रिहैब सेंटर खोलकर नि:शक्तों को सबलता का उपहार दिया है. यहां सभी निश्शक्त बच्चों को नि:शुल्क उपचार की सुविधा दिया जाना, अत्यंत सराहनीय कार्य है, इसके लिए ढोरी प्रक्षेत्र प्रबंधन साधुवाद का पात्र है. मौके पर हीरा देवी, पिंकी मजुमदार, मंजू देवी, किरण देवी, रविकांत सिंह आदि उपस्थित थे.